[This question paper contains 2 printed pages.]
यह प्रश्न 2 मुद्रित पृष्ठों का है।

Your Roll No.....
आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 15204

L

Unique Paper Code	:	2052102403
Name of the Paper	:	Hindi Upanyas
Name of the Course	:	ITEP Semester-IV
Semester	:	IV

Duration: 3 Hours
समयावधि: 3 घंटे

Maximum Marks: 90
पूर्णांक: 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न पत्र को मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्रश्न 1. उपन्यास के तत्वों के बारे में बताएं । (15)

अथवा

हिंदी उपन्यास के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए प्रेमचंद युगीन उपन्यासों की विशेषताएं बताएं।

प्रश्न 2. श्री लाल शुक्ल का परिचय देते हुए साहित्यिक विशेषताएं बताइए । (15)

प्रश्न 3. कर्मभूमि उपन्यास में चित्रित समस्याओं का वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

कर्मभूमि उपन्यास में गांधीवादी विचारधारा का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 4. राग दरबारी में व्यंग्य तत्वों की चर्चा कीजिए । (15)

अथवा

राग दरबारी में ग्राम पंचायत और प्रशासन की स्थिति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किसी एक ही प्रश्न व्याख्या कीजिए। (12)

(क) "शांतिकुमार ने आवेश में कहा-' कहीं नहीं ।शास्त्र में यह लिखा है कि घी में चर्बी मिलकर बेचो, टेनी मारो, रिश्वत्ते खाओ आंखों में धूल झोंको और जो तुमसे बलवान है उनके चरण धो- धोकर पियो चाहे वे शास्त्र को पैरों से ठुकराते हो। तुम्हारे शास्त्र में यह लिखा है ,तो यह करो ।हमारे शास्त्र में तो यह लिखा है कि भगवान की दृष्टि में ना कोई छोटा है ना बड़ा ना कोई शुद्ध और ना कोई अशुद्ध ।उसकी गोद सबके लिए खुली हुई है।"

P.T.O.

(ख) कुछ घूरे , घूरो से भी बदत्तर, कुछ दुकान, तहसील, थाना, ताड़ीघर, विकास -खण्ड का दफ्तर शराब खाना कॉलेज सड़क से निकल जाने वाले को लगभग इतना ही दिखलाई देता था। कुछ दूर आगे एक घनी अमराई में बनी हुई एक कच्ची कोठरी भी पड़ती थी। उसकी पीठ सड़क की ओर थी; उसका दरवाजा,/ जिसमें किवाड़ नहीं थी जंगल की ओर था बरसात के दिनों में हलवाहे पेड़ों के नीचे से हटकर इस कोठरी में जुआ खेलते, बाकी दिनों वह खाली पड़ी रहती। जब वह खाली रहती तब भी लोग उसे खाली नहीं रहने देते थे और नर नारीगण मौका देखकर उसका मनपसंद इस्तेमाल करते थे। शिवपालगंज में इस कोटरी के लिए जो नाम दिया गया था वह हेनरी मिलर को भी चौका देने के लिए काफी था। उसमें ठंडा पानी मिलाकर कॉलेज के एक मास्टर ने उसका नाम प्रेम भवन रख दिया था। घूरो और प्रेम भवन के बीच पढ़ने वाली सड़क के इस हिस्से को शिवपालगंज का किनारा भर मिलता था ठेठ शिवपालगंज दूसरी ओर सड़क छोड़कर था असली शिवपालगंज वैद्य जी की बैठक में था ।

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को कीजिए। (18)।

(i) उपन्यास के उन्द्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
(ii) मन्नू भंडारी
(iii) कर्मभूमि उपन्यास का कथासार लिखिए।
(iv) अज्ञेय
(v) रागदरबारी के राजनीतिक और भ्रष्टाचार का चित्रण कीजिए ।